सामर्थ्य सेवा संस्थान

(शिक्षा, रोजगार, समानता, सशक्तिकरण)

वार्षिक प्रतिवेदन

2022–23

(01 अप्रेल 2022 से 31 मार्च 2023 तक)

G-1, आनन्द विहार कॉलोनी, सिविल लाईन्स, कोठी रोड़, झालावाड़ (राज0)–326001

+91-7742338933, +91-7014899543

E-Mail : samarthya.jwr@gmail.com, Website : www.samarthyasansthan.org

सामर्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़ (राज0)

वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23

1. **प्रस्तावना** :– मानवता की सेवा और बन्धुत्वता की भावना को समर्पित झालावाड़ **"समार्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़"** एक ऐसा प्रकल्प है जो अपने उद्भव से आजतक असहाय, दिव्यांग, पीड़ित मानवता की सेवा में सतत रूप से कार्यरत है, दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं, यह किसी भी जाति, धर्म, समुदाय के परिवार में हो सकती है। यह न ही कोई बीमारी है जो एक दूसरे के साथ रहने से बढती है। साथ रहने से बढता है तो आपसी प्यार, भाई–चारा और कम होती है तो एक दूसरे की समस्याऐं। अतः आज के समय में इन दिव्यांग बालकों को साधन सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में योगदान करने की आवश्यकता है जिससे वह आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्य धारा से जुड़ सके। यह दायित्व सरकार के साथ ही समाज के प्रत्येक व्यक्ति का बनता है। इन दिव्यांग बालकों की सेवा से बढकर कोई पुण्य कार्य भी नहीं है। कहा गया है कि जिसमें राग, द्वेष, छल, कपट कुछ नहीं है वह साक्षात भगवान होता है और इन दिव्यांग बालको में भी यह सब नहीं है तो हमें तो इन साक्षात भगवान की प्रतिमूर्तियों की सेवा का मौका मिला है जो भाग्यशाली को ही मिलता है।

   ऐसे ही जन कल्याणकारी कार्यों की कड़ी में **"समार्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़"** ने दिव्यांगजन कल्याण हेतु अग्रसर है।

2. **संस्था परिचय** – **"समार्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़"** जो विगत कई वर्षो से भी अधिक की अवधि से अनेक मानव हितार्थ विविध कार्यक्रम आयोजित करवा चुका है, इनमें दिव्यांगजन सेवा, खेल कौशल विकास कार्यक्रम, दिव्यांग प्रमाण पत्र, रेल्वे कन्शेसन प्रमाण पत्र, रियायती बस पास, विशेष दिव्यांग पहचान पत्र, चिकित्सकीय परामर्श शिविर, दिव्यांग माता–पिता मार्गदर्शन व परामर्श, निःशुल्क फिजियोथैरेपी व दिव्यांग जागरूकता शिविर, दिव्यांगजन हेतु उचित मार्गदर्शन, श्रवण यंत्र, व्हील चेयर, ट्राई साइकिल, बैसाखी, केलीपर्स, मेग्नीफाइंग चश्मा, ब्रेल व स्पलिंट आदि सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने में दिव्यांगों की सहायता करता चला आ रहा है।

3. **संस्थान पंजीयन** – संस्थान का राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 के अंतर्गत क्रमांक COOP/2018/JHALAWAR/100042 पर पंजीयन है तथा निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण एवं पूर्ण भागीदारी) अधिनियम 1995 की धारा 52 (2) के अंतर्गत क्रमांक एफ/13/17/02/पंजी./नवी./नि.वि.यो./8816 पर पंजीयन है।

4. **संस्थान का उद्देश्य** – संस्थान का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगताा के प्रति समाज में जागरूकता लाना, परामर्श देना, विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित करना एवं विशेष शिक्षा, फिजियोथैरेपी, स्पीच थैरेपी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण द्वारा दिव्यांग बालकों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। साथ ही "निःशक्तता अधिनियम 1995" (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016) के तहत उन्हें सामाजिक आर्थिक लाभ दिलाना तथा विभागीय योजनाओं का प्रचार प्रसार कर दिव्यांग व्यक्तियों को लाभ पहुँचाना है।

5. **आलोच्य वर्ष का कार्य प्रगति** – संस्थान द्वारा आलोच्य वर्ष में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में एक दिवसीय दिव्यांग चेतना एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन कर लगभग 58 दिव्यांग बालकों को चिन्हित किया गया। संस्थान द्वारा श्रव्य–दृश्य संसाधनों का प्रयोग कर ग्रातीण क्षेत्र में दिव्यांगता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास किया गया, साथ ही संस्थान द्वारा झालावाड़ शहर में सामर्थ्य विशेष विद्यालय (मानसिक एवं बधिर बालकों हेतु) का संचालन कर आलोच्य वर्ष में 7 बालकों को विशेष शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर लाभान्वित किया गया साथ ही 17 बालकों को गृह आधारित योजना से लाभन्वित किया गया तथा परामर्श केन्द्र के रूप में कार्य कर आस्था योजना, दिव्यांग प्रमाण पत्र, रियायती रेल पास, बस पास दिव्यांग पेंशन एवं सहायक उपकरण आदि दिलवाकर लाभान्वित करवाकर संस्थान ने अपने उद्देश्यों की पूर्ति करने का प्रयास कर सफलता हासिल की हैं।

6. **आयोजित उत्सव समारोह** – आलोच्य वर्ष में राष्ट्रीय त्यौंहारों में 15 अगस्त, 26 जनवरी, विश्व मिर्गी दिवस, विश्व विकलांगता दिवस, विश्व मंदबुद्धि दिवस, लूई ब्रेल दिवस एवं विश्व बधिर दिवस संस्थान में समारोहपूर्वक मनाया गया।

7. **आलोच्य वर्ष का आय–व्यय विवरण** – संस्थान पर अधिकतर खर्च होने वाले व्यय की पूर्ति दान व चन्दों के रूप में धन राशि एकत्रित कर की गई। इस दान, चन्दों व प्रायोजकों से एकत्रित राशि आलोच्य वर्ष में संस्थान की दिव्यांगजन एवं संस्थान की गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित किये जाने में उक्त राशि का सहयोग प्राप्त किया गया।

8. **राष्ट्रीय वुशु एवं बॉक्सिंग खिलाड़ियो का सम्मान :–** संस्थान हमेशा से खेल कूद के प्रति बढ़ावा देती चली आ रही है इसी क्रम में वुशु एवं बॉक्सिंग के राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभागी खिलाड़ियों का सम्मान समारोह दिनांक 24 अप्रेल 2022 को खेल संकुल झालावाड़ में आयोजित कर राष्ट्रीय स्तर वुशु एवं बॉक्सिंग में जीत कर आये खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया तथा उपस्थित सभी खिलाड़ियों को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया।

9. **पौधारोपण कार्यक्रम :–** 16 जुलाई 2022 को संस्थान के माध्यम से राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय झालावाड़ में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए आये हुए सभी छात्र–छात्राओं व उपस्थित कर्मचारियों को प्रेरित किया गया तत्पश्चात् 51 पौधों का पौधारोपण किया गया जिसमें पीपल, शीशम, नीम, गुलर, गुलमोहर इत्यादि तथा शपथ ली गई जब तक पौधे वृक्ष नहीं बन जाते तब तक उनकी देखभाल पूर्ण जिम्मेदारी के साथ करेगें।

10. **हर घर तिरंगा कार्यक्रम :–** 15 अगस्त 2022 को प्रधानमंत्री महोदय के आव्हान पर हर घर तिरंगा फहराये जाने को लेकर संस्थान द्वारा 13 से 15 अगस्त 2022 तक तिरंगे झण्डे का वितरण हर घर जाकर किया गया एवं 15 अगस्त 2022 को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय वृन्दावन में पहुंचकर 15 अगस्त समारोह धुमधाम से मनाया गया तथा सभी छात्र–छात्राओं तिरंगे का वितरण किया गया व तिरंगे की महत्ता के बारे में

10. **चतुर्थ सामर्थ्य ग्लोबल एक्सीलेन्स अवार्ड एवं दिव्यांग जागरूकता शिविर –** 26 मार्च 2023 रविवार को इन्द्रप्रस्थ रेजिडेन्सी, झालावाड़ में **''सामर्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़''** द्वारा दिव्यांगजन की सेवा के लिए संकल्पित भाव को लेकर चल रही संस्थान ने दिव्यांग के क्षेत्र में योगदान देने वाले बेहतर राष्ट्र का निर्माण करने में सहयोग करने वाले व राष्ट्र का नाम रोशन करने वाले दिव्यांग खिलाड़ी, अभिभावक, सामाजिक कार्यकर्ता, पुनर्वास, विशेषज्ञ, दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत विशेष संस्थायें, सलाहकार मार्गदर्शक, विशेष शिक्षक, दिव्यांगजन को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, समावेशी व बाधारहित वातावरण प्रदान करना, रचनात्मक व्यक्तित्व, मिडिया आदि को प्रोत्साहित कर दिव्यांग के जीवन में खुशियां की बहार लाने वालों के लिए इस ग्लोबल स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती मीनाक्षी चन्द्रावत उपाध्यक्ष, समाज कल्याण बोर्ड राजस्थान सरकार के करकमलो द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया एवं पधारे हुए देश–विदेश के सभी 60 प्रतिभागियो को प्रतीक चिन्ह, व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अतिथियों द्वारा सामर्थ्य ग्लोबल एक्सीलेन्स अवार्ड का दीप प्रज्जवल कर शुभारम्भ करते हुए

स्वागत

SAMARTHYA
SEVA SANSTHAN
Welcomes

सामर्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़
आपका हार्दिक अभिनन्दन करता है

सामर्थ्य सेवा संस्थान
SGEA
2023

संस्थान द्वारा संचालित विशेष विद्यालय :–

मानसिक एवं मूकबधिर श्रेणी के दिव्यांग बालको के संचालित विशेष विद्यालय की स्थापना 08 जुलाई 2017 को झालावाड़ शहर में **"समार्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़"** द्वारा की गई। संस्थान द्वारा इस विद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य झालावाड़ एवं ग्रामीण क्षेत्र के निम्न व गरीब दिव्यांग बालकों को निःशुल्क सेवाऐं प्रदान कर उनका सर्वांगीण विकास कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है।

मूल्यांकन :– सभी विशेष बालक/बालिकाओं का विद्यालय में वर्ष में त्रैमासिक मूल्यांकन किया गया जिसमें आधारभूत मूल्यांकन जुलाई–2021 के प्रथम सप्ताह में किया गया, प्रथम मूल्यांकन सितम्बर–2021 के द्वितीय समप्ताह में, द्वितीय मूल्यांकन जनवरी–2022 में एवं तृतीय मूल्यांकन अप्रेल 2022 में किया गया। विद्यालय द्वारा मूल्यांकन का कार्यक्रम निम्न प्रकार रखा गया।

विद्यालय द्वारा उपलब्ध करवायी जाने वाली अन्य सुविधाऐं :– विद्यालय इस बात के लिए सदैव प्रयत्नशील रहा है कि इसमें पढने वाले विद्यार्थियों को सरकारी अथवा अन्य संस्थानों से मिल सकने वाली सुविधाओं का पूरा–पूरा लाभ मिले। आलोच्य वर्ष में निःशुल्क शिक्षण प्रशिक्षण के साथ ही निःशुल्क बस पास, रियायती रेल पास, विकलांग पेंशन, द्विव्यांग प्रमाण पत्र आदि सुविधाओं का लाभ सम्बन्धित विभागों के सहयोग से उपलब्ध करवाया गया।

योगा :– योगा विद्यालय द्वारा दिये जाने वाले प्रशिक्षण का महत्त्वपूर्ण अंग है। विद्यालय में प्रतिदिन इस कार्य के लिए आधे घण्टे का समय निश्चित किया हुआ है। इसका अभ्यास विद्यालय के प्रशिक्षित विशेष शिक्षकों द्वारा करवाया जाता है।

खेलकूद प्रशिक्षण :– बालक बालिकाओं को संस्थान द्वारा नियमित रूप से खेलकूद प्रशिक्षण देकर उनमें खेल के प्रति रूचि पैदाकर खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का कार्य सतत रूप से संस्थान करती चली आ रही है।

भौतिक चिकित्सा (Physio Therapy) :– मानसिक मंद बच्चों में बैठने, चलने जैसी गामक कुशलताओं का विकास सामान्य बच्चों की अपेक्षा धीमा होता है उनमें 10–15 प्रतिशत बच्चों में Cerebral palsy (प्रमस्तिष्क पक्षाघात) व अन्य प्रकार की शारीरिक विसंगतियाँ पायी जाती है। विद्यालय में अप्रवेशित मानसिक विकलांग Cerebral Palsy एवं अन्य शारीरिक विसंगतियों वाले 10–15 बालकों को नियमित निःशुल्क फिजियोथैरेपी दी जाती है। इसके लिए मूल्यांकन कर विद्यालय में प्रशिक्षित भौतिक चिकित्सक द्वारा फिजियोथैरेपी प्रदान की जाती है। वर्तमान में इस कार्य के लिए निम्न उपकरण उपलब्ध है।

1.	Static Cycle	5.	Muscle Stimulator	9.	Wrist Drop Splint.
2.	Ankle Exerciser	6.	Ankle Adduction-Abduction Exerciser	10.	Shoulder Ladder
3.	Grip Exerciser	7.	Rowing Machine Cum Sliding Seat.	11.	Shoulder Pulley Set
4.	Infra Red Lamp	8.	Shoulder Abduction Exerciser Ladder.		

वाक् एवं भाषा चिकित्सा (Speech-Therapy) :– मानसिक दिव्यांगता से ग्रसित 80 प्रतिशत बालकों में वाणी तथा भाषा की समस्या होती है साथ ही बधिर बालकों में सुनने की असमर्थता के कारण वाणी दोष पाया जाता है। इन बालकों में वाक् चिकित्सा (Speech-Therapy) द्वारा सम्प्रेषण कुशलताओं का विकास कर उन्हें पुनर्वासित करने का प्रयास किया जा रहा है।

विद्यालय का आय व्यय :– विद्यालय पर होने वाले अधिकांश व्यय की पूर्ति इसकी संचालन संस्थान **"समार्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़"** द्वारा दान, चन्दों व प्रायोजकों के रूप में धन राशि एकत्रित कर की जाती है। विद्यालय के द्वारा दी जाने वाली सेवाऐं पूर्ण रूप से निःशुल्क है।

11. **संस्थान द्वारा विशेष आभार** :– संस्थान ने इस वर्ष जो कुछ प्रगति की है उसका श्रेय उसके सहयोगियों को जाता है। इसमें जो समय–समय पर संस्था को धन राशि अथवा उपकरणों के रूप में तथा मार्गदर्शन कर अमूलय योगदान कर रहे हैं।

संस्था परिवार से जुड़े उन महानुभावों के प्रति भी अपना आभार प्रकट करना संस्थान अपना कर्त्तव्य समझती है जो कि न केवल इसकी प्रवृत्तियों में गहरी रूचि लेते है और समय–समय पर इसकों आर्थिक सहायता भी प्रदान करते रहते है अपने अभिभावकों के प्रति भी संस्था बड़ी आभारी है जो न केवल प्रतिमाह आयोजित होने वाली अध्यापक अभिभावक परिषद की बैठकों में भाग लेते है व सारगर्भित चर्चा करते है, बल्कि अपने अमूल्य सुझावों से हमें लाभान्वित करते रहते है।

12. आगामी वर्ष (2023–24) :– की योजनाओं के कुछ बिन्दु निम्न प्रकार है :–

(1.) सामान्य विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को दिव्यांगता के प्रति जानकारी देकर जागरूक करना।

(2.) जिला स्तर पर अभिभावकों के प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाऐं आयोजित करना।

(3.) मानसिक विमंदित व श्रवणबाधित बालकों की शिक्षा हेतु प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन करना।

(4.) वयस्क दिव्यांगों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र खोलना।

(5) छात्र अनुपात में प्रशिक्षित अध्यापकों की नियुक्ति करना।